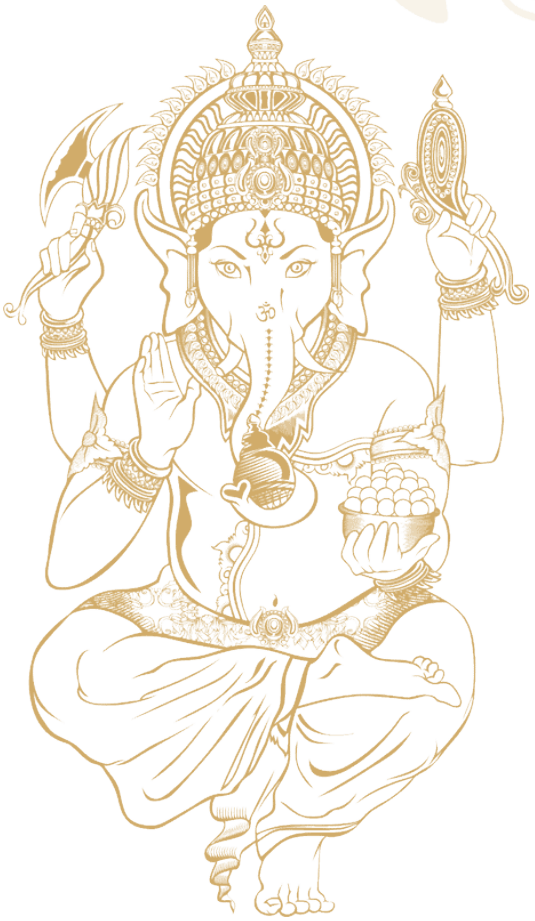

A

23 Sep 1984

08:20 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121593604

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/09/1984**
दिन	रविवार
जन्म समय	**08:20:00 घंटे**
इष्ट	05:24:48 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:58:52 घंटे
वेलान्तर	00:07:37 घंटे
साम्पातिक काल	08:07:26 घंटे
सूर्योदय	06:10:04 घंटे
सूर्यास्त	18:16:26 घंटे
दिनमान	12:06:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	06:37:01 कन्या
लग्न के अंश	04:15:54 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:15:54	312:45:27	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	06:37:01	00:58:46	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	सम राशि
चंद्र			सिंह	07:55:54	15:00:13	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	28:10:13	00:39:36	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध			सिंह	22:37:53	01:42:10	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
गुरु			धनु	10:23:40	00:04:26	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			तुला	03:14:05	01:13:30	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
शनि			तुला	19:54:31	00:05:51	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	उच्च राशि
राहु	व		वृष	05:38:37	00:08:18	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:38:37	00:08:18	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चि	16:26:28	00:01:48	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप			धनु	05:03:47	00:00:26	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	07:10:42	00:02:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	06:02:51	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:23

लग्न-चलित

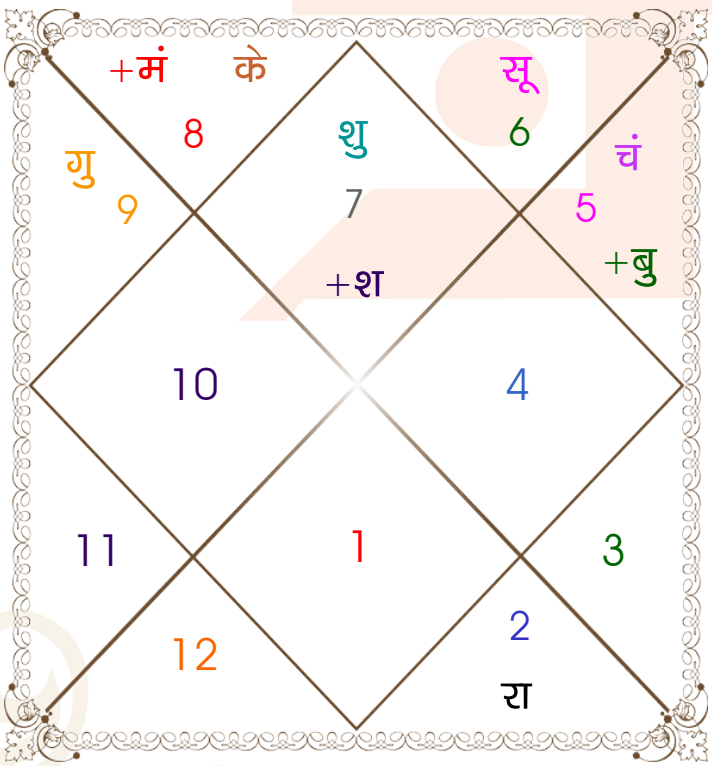

चन्द्र कुंडली

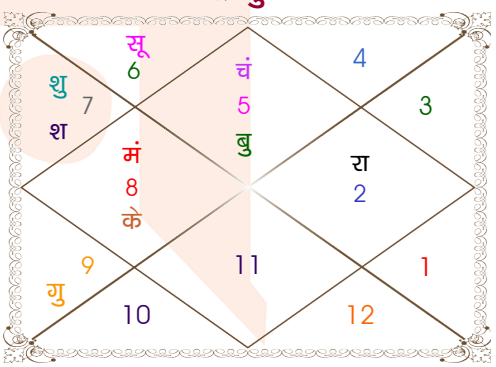

नवमांश कुंडली

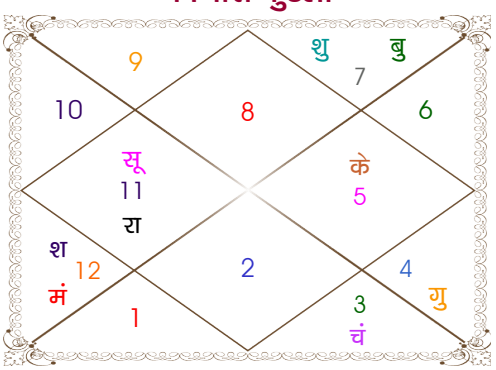

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 10 मास 0 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
23/09/1984		26/07/1987		26/07/2007		25/07/2013		26/07/2023	
26/07/1987		26/07/2007		25/07/2013		26/07/2023		25/07/2030	
	00/00/0000	शुक्र	24/11/1990	सूर्य	12/11/2007	चंद्र	26/05/2014	मंगल	22/12/2023
	00/00/0000	सूर्य	24/11/1991	चंद्र	13/05/2008	मंगल	25/12/2014	राहु	08/01/2025
	00/00/0000	चंद्र	25/07/1993	मंगल	18/09/2008	राहु	24/06/2016	गुरु	15/12/2025
	00/00/0000	मंगल	24/09/1994	राहु	12/08/2009	गुरु	24/10/2017	शनि	24/01/2027
	00/00/0000	राहु	24/09/1997	गुरु	01/06/2010	शनि	26/05/2019	बुध	21/01/2028
	23/09/1984	गुरु	25/05/2000	शनि	14/05/2011	बुध	24/10/2020	केतु	18/06/2028
गुरु	19/06/1985	शनि	26/07/2003	बुध	19/03/2012	केतु	25/05/2021	शुक्र	19/08/2029
शनि	28/07/1986	बुध	26/05/2006	केतु	25/07/2012	शुक्र	24/01/2023	सूर्य	24/12/2029
बुध	26/07/1987	केतु	26/07/2007	शुक्र	25/07/2013	सूर्य	26/07/2023	चंद्र	25/07/2030

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/07/2030		25/07/2048		25/07/2064		26/07/2083		26/07/2100	
25/07/2048		25/07/2064		26/07/2083		26/07/2100		00/00/0000	
राहु	07/04/2033	गुरु	12/09/2050	शनि	29/07/2067	बुध	21/12/2085	केतु	22/12/2100
गुरु	31/08/2035	शनि	25/03/2053	बुध	07/04/2070	केतु	19/12/2086	शुक्र	21/02/2102
शनि	07/07/2038	बुध	01/07/2055	केतु	17/05/2071	शुक्र	18/10/2089	सूर्य	29/06/2102
बुध	24/01/2041	केतु	06/06/2056	शुक्र	16/07/2074	सूर्य	25/08/2090	चंद्र	28/01/2103
केतु	11/02/2042	शुक्र	05/02/2059	सूर्य	28/06/2075	चंद्र	24/01/2092	मंगल	26/06/2103
शुक्र	11/02/2045	सूर्य	24/11/2059	चंद्र	27/01/2077	मंगल	20/01/2093	राहु	14/07/2104
सूर्य	06/01/2046	चंद्र	25/03/2061	मंगल	07/03/2078	राहु	10/08/2095	गुरु	24/09/2104
चंद्र	07/07/2047	मंगल	01/03/2062	राहु	11/01/2081	गुरु	15/11/2097		00/00/0000
मंगल	25/07/2048	राहु	25/07/2064	गुरु	26/07/2083	शनि	26/07/2100		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 9 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।